ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, शुक्रवार 15 मई 2026
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 3 अंक 38

उदयपुर में पेट्रोल 108.79 और डीजल 93.98 रुपए लीटर पहुंचा, प्रदेशभर में ईंधन महंगा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पेट्रोलियम कंपनियों ने शुक्रवार से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें लागू होने के बाद राजस्थान में आम लोगों, वाहन चालकों और ट्रांसपोर्ट कारोबारियों पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। उदयपुर में पेट्रोल की नई कीमत 108.79 रुपए प्रति लीटर और डीजल 93.98 रुपए प्रति लीटर हो गया है। वहीं प्रीमियम पेट्रोल की कीमत बढ़कर 118.43 रुपए प्रति लीटर पहुंच गई है।

राजधानी जयपुर में पेट्रोल 107.97 रुपए और डीजल 93.23 रुपए प्रति लीटर हो गया है। जबकि श्रीगंगानगर, बीकानेर और सवाई माधोपुर में पेट्रोल 109.46 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गया है, जो प्रदेश में सबसे अधिक माना जा रहा है। इन जिलों में डीजल की कीमत भी करीब 94.74 रुपए प्रति लीटर हो गई है। पेट्रोलियम कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के दामों में भी 3.25 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। इससे पहले 20 मार्च को प्रीमियम पेट्रोल की कीमत में 2.16 रुपए की वृद्धि की गई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण ईंधन कीमतों पर दबाव बना हुआ है। यदि हालात लंबे समय तक बने रहे तो आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है।

राजस्थान पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष Rajendra Singh Bhati ने बताया कि प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें डिपो की दूरी के आधार पर तय होती हैं। संबंधित पेट्रोल पंप तक ईंधन पहुंचाने में लगने वाला ट्रांसपोर्टेशन खर्च भी कीमतों में शामिल होता है, इसी कारण अलग-अलग जिलों और पेट्रोल पंपों पर कीमतों में मामूली अंतर देखने को मिलता है। गौरतलब है कि मार्च 2024 से पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर थीं। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले सरकार ने 2 रुपए प्रति लीटर की कटौती कर राहत दी थी, लेकिन अब अंतरराष्ट्रीय बाजार के दबाव के चलते कीमतों में फिर बढ़ोतरी की गई है।

पीएम मोदी की अपील के बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने छोड़ी डीजल कार, ईवी वाहन से पहुंचे कार्यक्रम में

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल-डीजल की बचत और ऊर्जा संरक्षण को लेकर किए गए आह्वान के बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शमा्र ने शुक्रवार को एक नई पहल करते हुए डीजल कार की जगह इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) से सफर किया। मुख्यमंत्री सीएमओ से जवाहर सर्किल स्थित एक निजी होटल में आयोजित राजस्थान एनर्जी कॉन्क्लेव में ईवी कार से पहुंचे। कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के कारण पूरी दुनिया ऊर्जा संकट के दौर से गुजर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की एक-एक बूंद बचाने का आह्वान किया है, जो "राष्ट्र प्रथम" की भावना को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सरकारी वाहनों के सीमित उपयोग और ऊर्जा संरक्षण को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं तथा समय-समय पर इसमें और सुधार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि 140 करोड़ देशवासी थोड़ी-थोड़ी भी ईंधन बचत करें तो इससे लाखों बैरल तेल आयात कम हो सकता है और आत्मनिर्भर भारत को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का स्पष्ट संदेश है कि "ऊर्जा बचाना भी ऊर्जा पैदा करने के समान है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार संसाधन अधिक उपलब्ध होने पर उनका उपयोग भी अधिक होने लगता है, लेकिन अब जरूरत जिम्मेदारी के साथ संसाधनों के उपयोग की है। सीएम ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपने वाहनों का सोच-समझकर उपयोग करें, अनावश्यक यात्राओं से बचें और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ें। इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। मुख्यमंत्री ने राजस्थान की जनता से प्रधानमंत्री के इस संदेश को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने सुरक्षा काफिले में शामिल वाहनों की संख्या भी घटा दी थी। पहले उनके काफिले में एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड सहित 14 से 16 वाहन शामिल रहते थे, लेकिन हाल ही में दिल्ली दौरे के दौरान उनके काफिले में केवल 5 गाड़ियां ही नजर आईं। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को भी फिजूलखर्ची रोकने और ऊर्जा संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

भोजशाला पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: ASI सर्वे और ऐतिहासिक साक्ष्यों पर भरोसा, भोजशाला को माना वाग्देवी मंदिर, नमाज की अनुमति देने वाला आदेश भी रद्द

24 न्यूज अपडेट

भोपाल। मध्याप्रदेशमध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने धार की बहुचर्चित भोजशाला को लेकर ऐसा फैसला सुनाया है, जिसने दशकों पुराने विवाद को नए दोराहे पर खडा कर दिया हैं अदालत ने अपने फैसले में भोजशाला को "वाग्देवी मंदिर" माना है और कहा है कि उपलब्ध पुरातात्विक साक्ष्य, ऐतिहासिक तथ्य और ASI की सर्वे रिपोर्ट इस निष्कर्ष की पुष्टि करते हैं। कोर्ट ने कानून, आस्था और पुरातत्व—तीनों को एक साथ रखकर देखा। अदालत ने Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 के प्रावधानों के साथ अयोध्या मामले के सिद्धांतों को भी आधार बनाया।

अदालत ने क्या कहा?

हाईकोर्ट ने माना कि भोजशाला परिसर में सरस्वती मंदिर और संस्कृत शिक्षा केंद्र के प्रमाण मौजूद हैं। कोर्ट ने ASI के 2003 के उस आदेश को भी निरस्त कर दिया, जिसमें हिंदुओं को पूजा के पूर्ण अधिकार नहीं दिए गए थे। साथ ही मुस्लिम पक्ष को शुक्रवार की नमाज की अनुमति देने वाला आदेश भी रद्द कर दिया गया।

हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस संरक्षित स्मारक का प्रबंधन ASI के हाथ में ही रहेगा। यानी धार्मिक स्वरूप तय होने के बावजूद प्रशासनिक नियंत्रण केंद्र सरकार और पुरातत्व विभाग के पास रहेगा। मुस्लिम पक्ष, जो अब तक इसे कमाल मौला मस्जिद बताता रहा है, उसे कोर्ट ने सरकार से वैकल्पिक जमीन मांगने की सलाह दी है। वहीं मुस्लिम पक्ष ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कही है।

98 दिन का ASI सर्वे क्यों बना निर्णायक?

2024 में ASI ने भोजशाला परिसर का 98 दिन तक वैज्ञानिक सर्वे किया था। इस सर्वे में स्थापत्य अवशेष, शिलालेख, स्तंभों की संरचना और प्राचीन प्रतीकों का अध्ययन किया गया। हिंदू पक्ष ने इन्हीं तथ्यों को आधार बनाकर दावा किया कि भोजशाला मूल रूप से मां सरस्वती का मंदिर और विद्या केंद्र थी। दूसरी तरफ मुस्लिम पक्ष ने सर्वे की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने कोर्ट में कहा कि उपलब्ध कराई गई वीडियोग्राफी और तस्वीरें स्पष्ट नहीं थीं। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि अयोध्या मामले की तरह यहां कोई स्थापित मूर्ति मौजूद नहीं है।

लेकिन अदालत ने माना कि किसी स्थल की धार्मिक पहचान केवल वर्तमान मूर्ति से तय नहीं होती, बल्कि उसके ऐतिहासिक और पुरातात्विक चरित्र से भी होती है।

अदालत के बाहर भी था तनाव

फैसले के दिन धार और इंदौर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। शुक्रवार होने के कारण संवेदनशीलता और बढ़ गई थी, क्योंकि इसी दिन मुस्लिम समाज भोजशाला परिसर में जुमे की नमाज अदा करता रहा है। धार शहर में 12 लेयर सुरक्षा व्यवस्था की गई। करीब 1200 पुलिसकर्मी, रिजर्व पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स तैनात रही। भोजशाला के मुख्य द्वार पर बैरिकेडिंग कर दी गई। वहीं दूसरी तरफ हिंदू संगठनों ने परिसर के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया।

आगे क्या?

अब यह मामला लगभग तय माना जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट पहुंचेगा। मुस्लिम पक्ष फैसले की समीक्षा और कानूनी विकल्पों पर काम कर रहा है। दूसरी तरफ हिंदू पक्ष इसे "ऐतिहासिक न्याय" बता रहा है। लेकिन इस पूरे विवाद के बीच सबसे बड़ा सवाल वही है—क्या भारत अपने ऐतिहासिक धार्मिक विवादों का समाधान अदालतों के जरिए स्थायी रूप से कर पाएगा, या हर फैसला एक नए विवाद की शुरुआत बनेगा?

अगले सत्र से NEET अब ऑनलाइन होगी, 21 जून को होगा री-एग्जाम, 15 मिनट का अतिरिक्त समय और पसंद का सेंटर मिलेगा

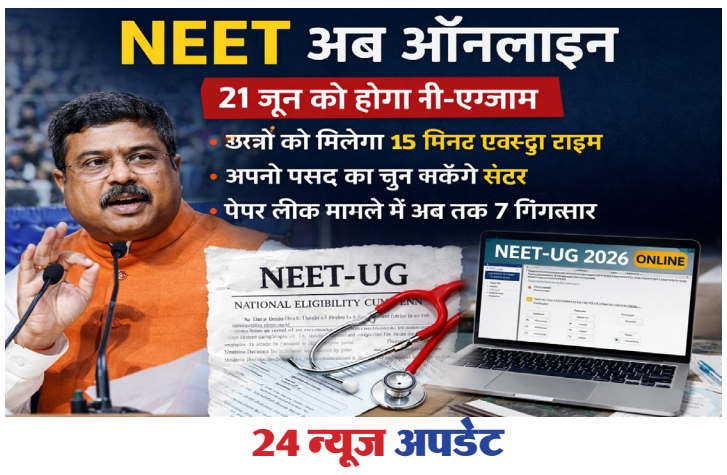

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET-UG को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है। पेपर लीक विवाद के बाद अब अगले सत्र से NEET-UG परीक्षा पूरी तरह ऑनलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए माना कि 3 मई को आयोजित NEET-UG-2026 परीक्षा का पेपर लीक हुआ था।

दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार किसी भी हाल में गलत तरीके से चयनित अभ्यर्थियों को मेडिकल सिस्टम में प्रवेश नहीं देने देना चाहती। उन्होंने कहा कि इसी जिम्मेदारी के चलते परीक्षा रद्द करने जैसा कठिन फैसला लेना पड़ा।

7 मई को मिला था गड़बड़ी का संकेत

धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि 7 मई को परीक्षा में गड़बड़ी की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने केंद्र सरकार को रिपोर्ट सौंपी। पूरे मामले की समीक्षा के बाद 12 मई को री-एग्जाम कराने का निर्णय लिया गया। अब NEET-UG का दोबारा आयोजन 21 जून, रविवार को किया जाएगा। इस बार परीक्षा प्रक्रिया को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी।

छात्रों को राहत: मिलेगा एक्स्ट्रा टाइम और पसंद का सेंटर

सरकार ने री-एग्जाम में शामिल होने वाले छात्रों को कुछ विशेष राहत भी दी है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि परीक्षा में छात्रों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। साथ ही अभ्यर्थी अपनी सुविधा के अनुसार परीक्षा केंद्र चुन सकेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्यों के साथ समन्वय कर छात्रों के आने-जाने और सुरक्षा व्यवस्था को भी सुनिश्चित करेगी, ताकि किसी भी विद्यार्थी को परेशानी का सामना न करना पड़े।

5400 से ज्यादा सेंटरों पर हुई थी परीक्षा

3 मई को आयोजित NEET-UG-2026 परीक्षा देश के 551 शहरों और विदेश के 14 शहरों में कराई गई थी। इसके लिए 5400 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। लाखों छात्रों ने परीक्षा दी थी, लेकिन पेपर लीक के खुलासे ने पूरी परीक्षा प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए।

"कठिन लेकिन जरूरी फैसला"

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राधाकृष्ण समिति की सिफारिशों के बावजूद आखिर यह चूक कैसे हुई, इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने माना कि परीक्षा रद्द करना सरकार के लिए आसान निर्णय नहीं था, लेकिन पारदर्शिता और छात्रों के भविष्य को देखते हुए यह कदम उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों पर काम कर रही है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तकनीकी एवं प्रशासनिक स्तर पर बदलाव किए जाएंगे।

CBI की जांच तेज, अब तक 7 गिरफ्तार

पेपर लीक मामले में CBI लगातार कार्रवाई कर रही है। अब तक 7 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इनमें राजस्थान से गिरफ्तार मांगीलाल बिंवाल, दिनेश बिंवाल, विकास बिंवाल, हरियाणा के गुरुग्राम निवासी यश यादव और नासिक के शुभम खैरनार शामिल हैं। इन सभी आरोपियों को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया, जहां से पांचों को 7 दिन की CBI कस्टडी में भेजा गया है। इसके अलावा पुणे से मनीषा वाघमारे और नासिक से धनंजय लोखंडे को भी गिरफ्तार किया गया है। कोर्ट ने लोखंडे को 6 दिन की CBI रिमांड पर भेजा है। पेपर लीक की परतें खुलने के साथ अब देशभर में परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई है।

संपादकीय : मौसम का कहर

उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान, बारिश और ओलावृष्टि की वजह से जैसे हालात पैदा हुए, उसने एक बार फिर यही दर्शाया कि मौसम की मार से बचाव के लिए एहतियात बरतने से लेकर सटीक पूर्वानुमान को लेकर तकनीकी स्तर पर अभी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। राज्य के कई इलाकों में बुधवार की शाम को तेज आंधी-तूफान, बारिश, बिजली गिरने और ओलावृष्टि एक तरह से कहर बरपा रही थी और आम लोग उसके सामने लाचार थे। कई जगहों पर तेज हवाओं ने भारी तबाही मचाई कितनी ही जगहों पर भारी पेड़ उखड़ कर वाहनों पर गिर गए और सड़कों के किनारे लगे बोर्ड उड़ कर तेज रफ्तार से जमीन पर गिरे। करीब चौबीस घंटों के दौरान करीब सौ लोगों की जान चली गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हो गए। कई जिलों में दो हजार से ज्यादा गांवों में बिजली गुल हो गई। कुदरत की इस कहर के बाद मौसम विभाग ने राज्य के अड़तीस जिलों में आंधी, बारिश और बिजली गिरने की आशंका के मद्देनजर पीली चेतावनी जारी की, लेकिन अफसोस की बात यह है कि पूर्वानुमानों के बावजूद कई बार ऐसे हालात पैदा हो जाते हैं, जिसमें तूफान या बिजली गिरने की घटनाएं आम लोगों पर कहर बन कर टूटती हैं। जाहिर है, मौसम की अपनी गति होती है और प्रकृति में उथल-पुथल के नतीजे में ऐसे हालात पैदा हो सकते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि अमूमन हर वर्ष अचानक मौसम का रुख बिगड़ने की आशंका के यावजूद आम लोग इससे बचाव के लिए एहतियात नहीं बरत पाते। इसका खमियाजा यह सामने आता है कि जिन हालात में कुछ लोगों की जान बच सकती थी, उसमें नाहक ही कइयों की जान चली जाती है। राज्य में मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर बने चक्रवात के ढांचे और दक्षिण राजस्थान से आ रही हवाओं के प्रभाव से वहां कई जगहों पर अस्सी से सौ किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। नतीजतन, बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ । कई जगहों पर न केवल घरों की छत उड़ गई, बल्कि लोगों के लिए पांव टिकाना भी मुश्किल था। अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसे मौसम में बचाव को लेकर जरूरी प्रशिक्षण के अभाव का नुकसान आम लोगों को किस स्तर पर उठाना पड़ता है। संभव है कि पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने के साथ-साथ मौसम साफ होने लगे और उसके बाद तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो, लेकिन इसके साथ यह भी सच्चाई है कि साल के इन महीनों में कई बार तेज रफ्तार में चलने वाला तूफान और ओलावृष्टि कई स्तर पर आम लोगों के लिए व्यापक क्षति और खतरे का वाहक बनते हैं। पिछले कुछ वर्षों से हर बार यह देखा जाता है कि एक ओर तूफान में पेड़ या घर गिरने जैसी घटनाओं की वजह से कई लोग मारे जाते हैं, तो दूसरी ओर घर से लेकर फसलों तक को व्यापक पैमाने पर नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा, इस बात का अध्ययन किए जाने की जरूरत है कि हाल के वर्षों में बिजली गिरने की घटनाओं में तेज इजाफा क्यों हुआ है, क्योंकि अकेले इस कारण से भी देश भर में काफी संख्या में लोगों की जान जा रही है। मौसम में तेज उतार-चढ़ाव को रोकना भले ही संभव न हो, लेकिन उससे बचाव के कुछ मामूली उपाय करके जानमाल के नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है।

अशांत मणिपुर

मणिपुर तीन साल से हिंसा की आग में झुलस रहा है। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। करीब ढाई सौ ज्यादा लोग हिंसा में जान गंवा चुके हैं। हजारों लोगों के विस्थापन से राज्य का सामाजिक ताना-बाना टूट सा गया है। राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी के बावजूद आखिर क्या वजह है कि उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश नहीं लग सका है। बीते बुधवार को उग्रवादियों ने एक बार फिर हमला कर तीन लोगों की हत्या कर दी। कांगपोकपी जिले में अंधाधुंध गोलीबारी में चार नागरिक भी घायल हो गए। इस घटना से नाराज नागरिकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग -2 को बंद कर दिया। गौरतलब है कि यह मार्ग मणिपुर को न केवल नगालैंड से, बल्कि देश के अन्य हिस्सों से भी जोड़ता है। इस समय राज्य में कानून व्यवस्था की जो स्थिति बनी हुई है, वह बेहद चिंताजनक है। एक बार फिर हुई हिंसा से साबित होता है कि सुरक्षा एजेंसियां सशस्त्र समूहों को नियंत्रित कर पाने में विफल रही हैं। राजनीतिक हस्तक्षेप का भी कोई असर नहीं दिखता। समझौते भी औपचारिक बन कर रह गए हैं। दरअसल, मणिपुर में शांति बहाली का कोई भी प्रयास इसलिए भी नाकाम हो जाता है, क्योंकि परस्पर विरोधी समूहों को कायदे से अब तक संवाद की मेज पर नहीं लाया जा सका है और न ही शायद इसकी जरूरत महसूस की गई। यही वजह है कि अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे सशस्त्र समूहों में एक दूसरे के प्रति संदेह और अविश्वास खत्म नहीं हो रहा। यह निराशाजनक ही है कि जब भी राज्य में थोड़ी बहुत स्थिति सुधरती दिखाई देती है, कोई न कोई उग्रवादी हमला राज्य को हिंसा की आग में झोंक देता है। सरकार अगर अलग-अलग समुदायों के प्रतिनिधियों को संवाद के लिए राजी करती तो शायद उनके बीच भरोसा कायम होता। मगर केंद्र से लेकर राज्य सरकारों के भीतर इस मसले पर कोई संजीदगी नहीं दिखती। आज राज्य में शांति प्रबंधन की नहीं, बल्कि उसे स्थापित करने के लिए सक्रिय होने की जरूरत है। इसके लिए राज्य सरकार और केंद्रीय सुरक्षा बलों को मिल कर काम करना होगा, अन्यथा मणिपुर में लगातार जारी हिंसा के घातक नतीजे सामने आ सकते हैं।

करंट से गई ठेका कर्मचारी की जान, मॉर्च्युरी के बाहर पांच घंटे तक धरना, 12 लाख की आर्थिक सहायता निष्पक्ष जांच, जिम्मेदारों पर कार्रवाई के आश्वासन के बाद धरना समाप्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मावली क्षेत्र में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाली घटना ने शुक्रवार को बड़ा रूप ले लिया। गोवर्धनपुरा जीएसएस पर करंट लगने से ठेका कर्मचारी बंशीलाल जाट की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। मावली हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी के बाहर सुबह से ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन धरने में बदल गया। करीब पांच घंटे तक चले हंगामे और प्रशासन के साथ लंबी बातचीत के बाद मामला शांत हो सका। प्रशासन ने मृतक परिवार को कुल 12 लाख रुपए का मुआवजा दिलाने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजन पोस्टमॉर्टम के लिए राजी हुए।

शाम को गया था ड्यूटी पर, रात में मिला बेसुध

घटना गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे की बताई जा रही है। गोवर्धनपुरा जीएसएस पर पिछले दो वर्षों से ठेका कर्मचारी के रूप में कार्यरत 45 वर्षीय बंशीलाल जाट काम के दौरान अचानक करंट की चपेट में आ गया। तेज करंट लगने से वह मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ा। हादसे में उसके दोनों हाथ बुरी तरह झुलस गए। ग्रामीणों के अनुसार काफी देर तक फोन रिसीव नहीं होने पर लोग जीएसएस पहुंचे तो बंशीलाल जमीन पर बेसुध पड़ा मिला। आनन-फानन में उसे मावली अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पूरी रात मॉर्च्युरी में रहा शव, सुबह भड़क उठा आक्रोश

मृत्यु की खबर गांव पहुंचते ही माहौल गम और गुस्से में बदल गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में समय रहते सही इलाज नहीं मिला। रातभर शव मॉर्च्युरी में रखा रहा और शुक्रवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण, परिजन और समाजजन अस्पताल पहुंच गए। मॉर्च्युरी के बाहर धरना शुरू हुआ तो माहौल तनावपूर्ण हो गया। परिजन मृतक के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और 50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग पर अड़ गए। वहीं ग्रामीणों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए।

एईएन पर लगे गंभीर आरोप

धरने के दौरान ग्रामीणों ने बिजली विभाग के एईएन हरिशंकर मीणा के खिलाफ खुलकर नाराजगी जताई। ग्रामीणों का आरोप था कि एईएन न तो लोगों के फोन उठाते हैं और न ही कर्मचारियों की समस्याओं पर ध्यान देते हैं। कुछ ग्रामीणों ने यहां तक आरोप लगाया कि कर्मचारियों पर पैसों का दबाव बनाया जाता था। ग्रामीणों ने एईएन को हटाने की मांग करते हुए कहा कि विभागीय लापरवाही और असुरक्षित कार्यप्रणाली ने एक गरीब परिवार का सहारा छीन लिया।

प्रशासन की समझाइश के बाद टूटा गतिरोध

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम रमेश सीरवी और फतहनगर थानाधिकारी चंद्रशेखर किलानियां मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों से कई दौर की बातचीत की। करीब पांच घंटे तक चले गतिरोध के बाद प्रशासन और ग्रामीणों के बीच सहमति बनी। प्रशासन की ओर से मृतक परिवार को कुल 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिलाने, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई के आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया गया। इसके बाद शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

ग्रामीणों ने बताया कि बंशीलाल जाट अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। परिवार में पत्नी और एक बेटा है। आर्थिक रूप से कमजोर इस परिवार पर हादसे के बाद संकट और गहरा गया है। धरने की सूचना पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रोशनलाल सुथार, मंडल अध्यक्ष कैलाश गाडरी और कुलदीप सिंह चुंडावत भी अस्पताल पहुंचे

विनय क्रिकेट क्लब फाइनल में, अरावली क्लब को 5 विकेट से हराया, मीनाफ शेख का शतक भी नहीं बचा सका टीम को हार से

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में शिकारबाड़ी क्रिकेट मैदान पर चल रही सीपीएस सुखाड़िया लीग ए डिवीजन क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में विनय क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अरावली क्लब को 5 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब फाइनल मुकाबला शनिवार, 16 मई को विनय क्रिकेट क्लब और यंग बॉयज क्रिकेट क्लब के बीच खेला जाएगा। मैच में विनय क्रिकेट क्लब के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अरावली क्लब ने निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 317 रन बनाए। टीम की ओर से मीनाफ शेख ने शानदार शतक जमाते हुए 112 गेंदों में 107 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। मीनाफ शेख ने यथार्थ बीरानिया (74 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 153 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। वहीं निखिल शुक्ला ने 49 रनों की तेजतर्रार पारी खेल टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। विनय क्रिकेट क्लब की ओर से मोहित जैन ने 3 विकेट झटके, जबकि रोहन राजभर को 2 विकेट मिले। देवनारायण वैद और चंद्रपाल सिंह चुंडावत ने एक-एक सफलता हासिल की। 318 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी विनय क्रिकेट क्लब की शुरुआत शानदार रही। सलामी बल्लेबाज महिपाल लोमरोर और मनोज अमरावत ने पहले विकेट के लिए 108 रन जोड़े। इसके बाद अर्जुन मीणा और रोहन राजभर ने तीसरे विकेट के लिए 132 रनों की साझेदारी कर मैच पर पकड़ मजबूत कर दी। विनय क्लब की ओर से अर्जुन मीणा ने 91 रन, रोहन राजभर ने 71 रन, मनोज अमरावत ने 58 रन और महिपाल लोमरोर ने 51 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। मोहित जैन ने भी 31 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अरावली क्लब की ओर से आभाष श्रीमाली ने सर्वाधिक 2 विकेट लिए। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला शनिवार को शिकारबाड़ी क्रिकेट मैदान पर खेला जाएगा। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित होगा।

26 मई को केरल पहुंच सकता है मानसून, राजस्थान समेत आधा देश हीटवेव की चपेट में

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। मौसम विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून इस वर्ष 26 मई को केरल में दस्तक दे सकता है। सामान्य तौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरल पहुंचता है, लेकिन इस बार इसके पहले पहुंचने की संभावना जताई गई है। पिछले वर्ष मानसून 24 मई को केरल पहुंचा था। इसके बाद मानसून देश के अन्य हिस्सों की ओर आगे बढ़ता है। आईएमडी के अनुसार वर्ष 2025 में देशभर में सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई थी। 30 सितंबर 2025 को जारी आंकड़ों में पूरे देश में 937.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने इसे सफल मानसून सीजन बताया था। हालांकि मानसून से पहले देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। उत्तर प्रदेश में बुधवार को आई तेज आंधी और बारिश ने भारी तबाही मचाई। राज्य में 111 लोगों की मौत हो गई। प्रयागराज में सबसे अधिक 21 और भदोही में 17 लोगों की जान गई। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुलिस ने भी इस घटना पर दुख जताया। वहीं दूसरी ओर देश का आधे से अधिक हिस्सा भीषण गर्मी और हीटवेव की चपेट में है। महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। महाराष्ट्र का अकोला 45.9 डिग्री सेल्सियस के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा, जबकि जलगांव, वर्धा और अमरावती में भी तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच गया। राजस्थान में भी भीषण गर्मी का असर देखने को मिला। फलोदी में 45.2 डिग्री, जैसलमेर और बाड़मेर में 45.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। श्रीगंगानगर में पारा 44.8 डिग्री और जोधपुर में 44 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। वहीं जयपुर, बीकानेर और नागौर में दिनभर हीटवेव जैसे हालात रहने के बाद शाम को बारिश होने से लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली।

एडवोकेट गणपत चौधरी की पांचवीं पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान शिविर, 208 यूनिट रक्त संग्रहित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के हिरण मगरी सेक्टर-4 स्थित नागेन्द्रा भवन में बुधवार को एडवोकेट गणपत चौधरी की पांचवीं पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं और सामाजिक संगठनों ने भाग लेते हुए मानव सेवा का संदेश दिया। आयोजनकर्ता जोनी चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत एडवोकेट गणपत चौधरी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 208 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और अधिवक्ता संगठनों से जुड़े गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, उदयपुर देहात कांग्रेस जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ सहित कई जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीरों का उपरना ओढ़ाकर, प्रशंसा पत्र एवं परिंडा भेंटकर सम्मान किया गया। रक्त संग्रहण के लिए आरएनटी ब्लड बैंक, गीतांजलि हॉस्पिटल ब्लड बैंक एवं लोकमित्र ब्लड बैंक की टीमों ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, अधिवक्ताओं, राजनीतिक प्रतिनिधियों, परिवारजनों और मित्रों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

खरबडिया में डांगी पटेल समाज की महापंचायत, शिक्षा और सामाजिक एकता पर हुआ मंथन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नीचला गिर्वा क्षेत्र स्थित खरबडिया गांव में डांगी पटेल समाज की महापंचायती का आयोजन किया गया। महापंचायत में समाज के आठ चौखलों के पंचों, मोतबीरों और समाजजनों ने भाग लेकर सामाजिक एकता, शिक्षा और विकास सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। समाज अध्यक्ष गोपाल पटेल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, अखंडता और संगठन की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने समाज के लोगों से शिक्षा, संस्कार और सामाजिक विकास को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। मावली विधायक पुष्करलाल डांगी ने कहा कि डांगी पटेल समाज आज शिक्षा, व्यापार और युवाओं की सरकारी नौकरियों में लगातार प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि महापंचायत जैसे आयोजन समाज में मेलजोल और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। महापंचायत में भगवान पटेल, हेमराज पटेल, रामलाल पटेल, मांगीलाल पटेल, नारायण पटेल, गणेश डांगी, अंबालाल पटेल, दुर्गेश पटेल, शिवराम पटेल, उदयलाल पटेल, राजू पटेल, खेमराज पटेल, प्रेमचंद पटेल, मोदीराम डांगी, रुपेश पटेल, हिरालाल पटेल और भंवरलाल डांगी सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

दोस्तों संग पार्टी मनाने गया युवक खदान में डूबा, 9 घंटे चले रेस्क्यू के बाद मिला शव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। दोस्तों के साथ पार्टी मनाने गया 20 वर्षीय युवक मेवाड़ माइंस की गहरी खदान में डूब गया। करीब 9 घंटे तक चले लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद गोताखोरों ने शुक्रवार सुबह युवक का शव बाहर निकाला। हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार शोभागपुरा निवासी तरुण गमेती पुत्र जगदीश गमेती अपने दोस्तों के साथ कुकड़ेश्वर महादेव के पास स्थित मेवाड़ माइंस की खदान पर गया था। इस दौरान सभी युवक खदान के पानी में नहाने उतरे। बताया जा रहा है कि तरुण को तैरना नहीं आता था। नहाते समय वह अचानक गहरे खड्डे में चला गया और पानी में डूब गया। घटना के बाद दोस्तों ने काफी तलाश की, लेकिन तरुण का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद मामले की सूचना गुरुवार सुबह सुखेर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना अधिकारी ने राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग उदयपुर की रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा। रेस्क्यू टीम ने गुरुवार को करीब 6 घंटे तक लगातार तलाश अभियान चलाया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे दोबारा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने युवक का शव खदान से बाहर निकाल लिया और सुखेर थाना पुलिस को सुपुर्द किया। रेस्क्यू अभियान में गोताखोर विजय नकवाल, भवानी शंकर वाल्मीकि, रवि शर्मा, नरेश चौधरी, विपुल चौधरी, प्रकाश राठौड़, दिनेश खटीक, चालक सुरेश सालवी और बोट ऑपरेटर कैलाश मेनारिया सहित नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम मौजूद रही।

पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाकर परिजनों को सूचना दे दी है। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

उदयपुर सिटी-जयपुर एक्सप्रेस रहेगी रेगुलेट, कटिहार मंडल में दोहरीकरण कार्य से कई रेलसेवाएं प्रभावित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के कटिहार मंडल में कटिहार-सौनेली एवं कटिहार-कुरेठा रेलखंड के मध्य दोहरीकरण कार्य के चलते कई रेलसेवाएं प्रभावित रहेंगी। कटिहार, मनियां, कुरेठा एवं डंडखोरा स्टेशनों के मध्य नॉन इंटरलॉकिंग ब्लॉक लिए जाने के कारण रेल यातायात में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि इस कार्य के कारण कुछ रेलसेवाएं परिवर्तित मार्ग से संचालित होंगी, जबकि कुछ रेलसेवाएं रेगुलेट की जाएंगी। उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 15716, अजमेर-किशनगंज एक्सप्रेस 8 जून, 9 जून एवं 11 जून 2026 को अजमेर से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग ठाकुरगंज-पावाखाली होकर संचालित होगी। मार्ग परिवर्तन के कारण यह ट्रेन लाभा, आजमनगर रोड, बरसोई एवं डालखोला स्टेशनों पर ठहराव नहीं करेगी। इसके स्थान पर पूर्णिया एवं ठाकुरगंज स्टेशनों पर ठहराव दिया जाएगा। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 15624, कामाख्या-भगत की कोठी एक्सप्रेस 12 जून 2026 को कामाख्या से प्रस्थान कर पावाखाली-ठाकुरगंज मार्ग से संचालित होगी। यह ट्रेन किशनगंज एवं सौनेली स्टेशनों पर ठहराव नहीं करेगी, जबकि परिवर्तित मार्ग में पूर्णिया एवं ठाकुरगंज स्टेशनों पर रुकेगी। वहीं गाड़ी संख्या 19601, उदयपुर सिटी-जयपुर एक्सप्रेस 13 जून 2026 को उदयपुर सिटी से प्रस्थान कर मार्ग में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे क्षेत्र में लगभग एक घंटे तक रेगुलेट रहेगी।

घर में सो रहे वृद्ध के कान से सोने की मुरकियां चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के कुराबड़ थाना क्षेत्र में एक वृद्ध के साथ चोरी की वारदात सामने आई है। पुलिस थाना कुराबड़ में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार फिला कारवाड़ा निवासी 90 वर्षीय धुला पुत्र हरजा जी डांगी ने मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में बताया गया कि 13 मई 2026 की रात करीब 3 बजे वह अपने घर के अंदर सो रहे थे। इसी दौरान चार अज्ञात व्यक्ति घर की पोल में घुस आए और सोते समय उनके कान में पहनी हुई करीब एक तोला दस ग्राम वजनी सोने की मुरकियां खींचकर चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामला धारा 305(A) बीएनएस के तहत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सुखदेव सउनि द्वारा की जा रही है।

गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाईवे पर भीषण हादसा, खड़ी 407 में घुसी तेज रफ्तार कार, दो की मौत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाईवे पर शुक्रवार को एक भीषण और दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अंबेरी पुलिया के पास तेज रफ्तार कार टेंट के सामान से भरी 407 गाड़ी के पीछे जा घुसी। हादसा इतना भयावह था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार हाईवे पर बने जंप के पास टेंट सामग्री से भरी 407 गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगाए। इसी दौरान देबारी की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सीधे 407 के पीछे जा टकराई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही सुखेर थानाधिकारी भरत योगी मय जाब्ता और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत कर कार में फंसे दोनों शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने मृतकों के शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं, जबकि गंभीर घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि कार सवार लोग झालावाड़ जिले के निवासी हैं। हादसे के बाद 407 चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर परिजनों को सूचना दे दी है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

फतहसागर झील में मिला बुजुर्ग का शव, नागरिक सुरक्षा टीम ने बाहर निकाला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर की फतहसागर झील में शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैरता हुआ मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना सुबह करीब 6:30 बजे पुलिस थाना अंबामाता को मिली। सूचना मिलते ही नागरिक सुरक्षा विभाग उदयपुर की रेस्क्यू टीम तत्काल मौके पर पहुंची और झील में तैर रहे शव को बाहर निकालकर पुलिस के सुपुर्द किया। मृतक की पहचान जेब में मिले आधार कार्ड के आधार पर पुष्करलाल माली पुत्र अर्जुनलाल माली निवासी हनुमान चौक, छोटा बदला के रूप में हुई है। मृतक की उम्र करीब 65 वर्ष बताई जा रही है। रेस्क्यू अभियान में गोताखोर विजय नकवाल, भवानी शंकर वाल्मीकि, नरेश चौधरी और मुकेश सेन सहित नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम मौजूद रही। फिलहाल अंबामाता थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हो सकेगा।

अजमेर पुलिस की बड़ी सफलता: 50 लाख रुपये कीमत के 215 गुमशुदा मोबाइल बरामद, असली मालिकों को सौंपे

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 15 मई। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान में साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की दृष्टि से चलाए जा रहे अभियान के तहत अजमेर में एक बड़ी कार्यवाही की गई है।जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में अजमेर पुलिस ने साइबर सेल एवं विभिन्न थाना पुलिस टीमों के संयुक्त अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब 50 लाख रुपये कीमत के 215 खोए एवं चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन अब उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए जा रहे हैं।

यह विशेष अभियान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर एवं मुख्यालय हिमांशु जांगिड तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. लालचंद कायल के सुपरविजन में चलाया गया। अभियान के दौरान जिला साइबर सेल एवं जिले के सभी पुलिस थानों की टीमों ने तकनीकी विश्लेषण, सीईआईआर पोर्टल मॉनिटरिंग और सतत फील्ड कार्रवाई के जरिए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। राजस्थान सहित अन्य राज्यों से भी बरामद हुए मोबाइल एसपी अग्रवाला ने बताया कि सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर जांच शुरू की गई। तकनीकी विश्लेषण में सामने आया कि कई मोबाइल फोन राजस्थान के अलग-अलग जिलों के अलावा अन्य राज्यों में भी उपयोग किए जा रहे थे। इसके बाद संबंधित क्षेत्रों में संपर्क स्थापित कर पुलिस टीमों ने लगातार मॉनिटरिंग एवं समन्वय करते हुए मोबाइल फोन बरामद किए।

अजमेर पुलिस की साइबर सेल एवं थाना पुलिस टीमों ने आधुनिक तकनीक, तकनीकी विश्लेषण और सूझबूझ का इस्तेमाल करते हुए कम समय में बड़ी संख्या में मोबाइल बरामद किए। एसपी अग्रवाला ने इस अभियान में शामिल पुलिसकर्मियों की मेहनत और तकनीकी दक्षता की सराहना की।

आमजन के लिए पुलिस की अपील

अजमेर जिला पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपने मोबाइल फोन और डिजिटल उपकरणों को सुरक्षित रखें। भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजारों और सार्वजनिक परिवहन में विशेष सतर्कता बरतें। मोबाइल में मजबूत पासवर्ड, पिन या बायोमेट्रिक लॉक का उपयोग करें तथा "Find My Device" जैसी सुविधाएं सक्रिय रखें।

यदि मोबाइल फोन खो जाए या चोरी हो जाए तो तुरंत सिम बंद करवाकर सीईआईआर पोर्टल, राजकॉप सिटीजन ऐप अथवा नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि मोबाइल एवं सिम का दुरुपयोग रोका जा सके।

इस अभियान में हैड कांस्टेबल साबिर खान, कांस्टेबल अनिल कुमार सैनी (दरगाह), कांस्टेबल हिम्मत राम (रामगंज), कांस्टेबल जयपाल (कृष्णगंज), कांस्टेबल सुरेश चौधरी (डीएसटी) तथा जिला साइबर सेल अजमेर की टीम की विशेष सराहनीय भूमिका रही।

हथियार जांच के दौरान हुआ हादसा, सिर के आर-पार निकली गोली, हैड कांस्टेबल की हालत बेहद गंभीर

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। खैरथल-तिजारा जिले के मुंडावर थाने में शुक्रवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मालखाने के भीतर अचानक गोली चलने की तेज आवाज गूंज उठी। कुछ ही सेकंड में पुलिसकर्मी दौड़ते हुए अंदर पहुंचे तो सामने का दृश्य देखकर हर कोई सन्न रह गया। मालखाना इंचार्ज हेड कॉन्स्टेबल हरपाल सिंह खून से लथपथ हालत में फर्श पर पड़े थे और उनके सिर से लगातार खून बह रहा था। बताया जा रहा है कि हेड कॉन्स्टेबल हरपाल सिंह शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे मालखाने में अकेले हथियारों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान एक पिस्टल से अचानक फायर हो गया। गोली उनके सिर को चीरते हुए आर-पार निकल गई। हादसे के बाद थाने में हड़कंप मच गया। साथी पुलिसकर्मियों ने बिना समय गंवाए गंभीर रूप से घायल हरपाल सिंह को मुंडावर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत नाजुक देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। फिलहाल उनका इलाज बहरोड़ स्थित पार्क हॉस्पिटल में चल रहा है।

डॉक्टर बोले- हालत बेहद नाजुक

पार्क हॉस्पिटल के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर डॉ. प्रदीप मलिक के अनुसार घायल हेड कॉन्स्टेबल को बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। जांच में सामने आया कि गोली सिर के दाईं ओर से घुसी और बाईं ओर से बाहर निकल गई। अस्पताल की मेडिकल टीम ने तत्काल उपचार शुरू कर उन्हें ऑपरेशन थिएटर में शिफ्ट किया। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।

पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

घटना की सूचना मिलते ही एएसपी जया सिंह, डीएसपी लाल सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने थाने के मालखाने का निरीक्षण किया और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से पूछताछ की। मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से ब्लड सैंपल, फुटप्रिंट और फिंगरप्रिंट सहित कई अहम साक्ष्य जुटाए हैं।

हादसा या लापरवाही? हर एंगल से जांच

प्रारंभिक जांच में मामला हथियार जांच के दौरान दुर्घटनावश गोली चलने का माना जा रहा है, लेकिन पुलिस किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं कर रही। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि फायर तकनीकी खराबी के कारण हुआ या फिर हथियार हैंडलिंग में किसी प्रकार की लापरवाही सामने आई।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग का बड़ा अभियान, प्रदेशभर में 4.13 लाख लीटर वॉश नष्ट

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 मई। राजस्थान में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने व्यापक कार्रवाई करते हुए विशेष निरोधात्मक अभियान तेज कर दिया है। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेशभर में नाकाबंदी, गश्त और दबिश देकर अवैध मदिरा के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

1520 मामले दर्ज, 670 आरोपी गिरफ्तार

1 से 14 मई 2026 तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान प्रदेशभर में कुल 1520 अभियोग दर्ज किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान 670 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 69 वाहनों को जब्त किया गया। इनमें 11 बड़े वाहन, 3 हल्के चारपहिया वाहन और 55 दुपहिया वाहन शामिल हैं।

आबकारी विभाग के अनुसार अभियान के दौरान प्रदेशभर से: 5512 लीटर देशी शराब, 19815 लीटर भारत निर्मित विदेशी शराब, 1723 लीटर बीयर, 10462 लीटर हथकड़ शराब, 20 लीटर स्प्रिट जब्त की गई। इसके अलावा 4 लाख 13 हजार 675 लीटर वॉश नष्ट किया गया, जिसका उपयोग अवैध शराब बनाने में किया जाता है।

जयपुर, जोधपुर, श्रीगंगानगर और पाली में बड़ी कार्रवाई जयपुर में आबकारी थाना फुलेरा और आरपीएफ फुलेरा की संयुक्त कार्रवाई में ट्रेन से अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी का खुलासा हुआ। एक ट्रॉली बैग से अन्य राज्य में निर्मित 24 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 28 हजार रुपए बताई गई है। वहीं शाहपुरा क्षेत्र के ग्राम मिनो की बाढ़ में कार्रवाई कर 2 हजार लीटर वॉश और 3 भट्टियां नष्ट की गईं। मौके से 72 लीटर हथकड़ शराब भी बरामद हुई। जोधपुर शहर, फलोदी और लूणी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 4 मामले दर्ज किए गए तथा 250 लीटर वॉश नष्ट किया गया। श्रीगंगानगर में 3 अभियोग दर्ज कर 500 लीटर वॉश नष्ट किया गया, जबकि 20 लीटर हथकड़ शराब और 66 पव्वे देशी शराब बरामद की गई। पाली जिले में दबिश देकर 2 हजार लीटर वॉश नष्ट किया गया और 10 लीटर अवैध हथकड़ शराब जब्त की गई।

सम्मान के लिए आवेदन आमंत्रित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 मई। जनजाति कार्यालय मंत्रालय भारत सरकार की ओर से 10 मई से 9 जून 2026 तक जनजाति गरिमा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस उत्सव के कार्यक्रम की श्रृंखला में मंत्रालय द्वारा जनजाति वर्ग के ऐसे व्यक्तित्व/नायक जिन्होंने समाज सेवा, सामुदायिक नेतृत्व ,शिक्षा, संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान, नावाचार, आधारभूत विकास इत्यादि क्षेत्रों में उल्लेखनीय व अद्वितीय योगदान प्रदान किया है के नामांकन 20 मई 2026 तक सम्मानित करने हेतु आमंत्रित हैं। उपायुक्त टीएडी निरमा बिश्नोई ने बताया कि उक्त श्रेणी के जनजाति व्यक्तित्व /नायक संपूर्ण विवरण (नाम,फोटो, कार्य क्षेत्र विवरण, शोर्ट वीडियो, एवं अन्य आवश्यक जानकारी) के साथ निर्धारित दिनांक 20 मई को शाम 5 बजे तक कार्यालय उपायुक्त जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग,टीआरआई परिसर ,अशोक नगर मैन रोड उदयपुर में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

उदयपुर सिटी-जयपुर एवं उदयपुर सिटी-असारवा रेलसेवाओं में डिब्बों की स्थायी बढ़ोतरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए 02 जोड़ी रेलसेवाओं में 02-02 द्वितीय कुर्सीयान श्रेणी के डिब्बों की स्थायी बढ़ोतरी की जा रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि गाड़ी संख्या 20993/20994, जयपुर-उदयपुर सिटी-जयपुर रेलसेवा में जयपुर से 24 मई 2026 से तथा उदयपुर सिटी से 25 मई 2026 से 02 द्वितीय कुर्सीयान श्रेणी के डिब्बों की स्थायी बढ़ोतरी की जाएगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 20987/20988, उदयपुर सिटी-असारवा-उदयपुर सिटी रेलसेवा में उदयपुर सिटी से 24 मई 2026 से तथा असारवा से 25 मई 2026 से 02 द्वितीय कुर्सीयान श्रेणी के डिब्बे स्थायी रूप से बढ़ाए जाएंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, डिब्बों की बढ़ोतरी के बाद दोनों रेलसेवाओं में 02 थर्ड एसी, 02 वातानुकूलित कुर्सीयान, 03 द्वितीय शयनयान, 02 द्वितीय कुर्सीयान, 04 साधारण श्रेणी, 01 पावरकार एवं 01 गार्ड डिब्बे सहित कुल 15 डिब्बे उपलब्ध होंगे।

री-नीट अभ्यर्थियों के लिए विंग्स फॉर यूथ और रेडिएंट की संयुक्त पहल

17 मई से 18 जून तक निःशुल्क फुल सिलेबस टेस्ट सीरीज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 मई। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा 21 जून को री-नीट परीक्षा आयोजित किए जाने की घोषणा के बाद विद्यार्थियों की तैयारी को नई दिशा देने के लिए उदयपुर में विंग्स फॉर यूथ ट्रस्ट और द रेडिएंट एकेडमी ने संयुक्त पहल की है। दोनों संस्थानों द्वारा नीट अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क "फुल सिलेबस टेस्ट सीरीज" शुरू करने की घोषणा की गई है। द रेडिएंट एकेडमी के एकेडमिक हेड रवि रंजन एवं शिक्षाविद डॉ. शैलेन्द्र सोमानी ने बताया कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद अनेक विद्यार्थी मानसिक दबाव और चिंता से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में उन्हें सकारात्मक मार्गदर्शन और नियमित अभ्यास की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से यह टेस्ट सीरीज शुरू की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस श्रृंखला के अंतर्गत कुल 11 फुल सिलेबस परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। पहली परीक्षा 17 मई को होगी जबकि अंतिम परीक्षा 18 जून को आयोजित की जाएगी। सभी परीक्षाएं दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होंगी, ताकि विद्यार्थियों को वास्तविक नीट परीक्षा जैसा माहौल मिल सके। प्रत्येक परीक्षा के बाद शाम 5:15 बजे से 6:30 बजे तक विस्तृत डिस्कशन सेशन भी आयोजित किया जाएगा। इसमें विषय विशेषज्ञ विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान करेंगे तथा प्रश्नपत्र विश्लेषण एवं प्रदर्शन सुधार के लिए मार्गदर्शन देंगे। रेडिएंट एकेडमी के शिक्षकों ने कहा कि यह टेस्ट सीरीज विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें दोबारा पूरी ऊर्जा के साथ परीक्षा की तैयारी में जुटाने में सहायक साबित होगी। उदयपुर के विद्यार्थी ऑफलाइन माध्यम से रेडिएंट एकेडमी परिसर में परीक्षा दे सकेंगे, जबकि उदयपुर के बाहर के अभ्यर्थियों के लिए व्हाट्सएप के माध्यम से ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सेंट एंथोनीज़ स्कूल में मेधा का महाकुंभ, 90% से ऊपर अंक लाने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों का हुआ भव्य सम्मान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट शिक्षा का उत्सव शुक्रवार को उस समय देखने को मिला जब सेंट एंथोनी सीनियर सेकण्डरी स्कूल में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और उनके मार्गदर्शक शिक्षकों के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर तालियों की गूंज, गर्व और उत्साह से सराबोर नजर आया, जहां 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य विलियम डीसूजा और जेसी डीसूजा ने मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र एवं पुष्प भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में उन शिक्षकों को भी सम्मान दिया गया, जिनके अथक प्रयास और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए। प्राचार्य विलियम डीसूजा ने कहा कि सफलता केवल अंकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि अनुशासन, निरंतर अभ्यास, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच ही विद्यार्थियों को जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। वहीं जेसी डीसूजा ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को विद्यालय परिवार के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि सेंट एंथोनीज़ विद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कार और सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देता रहा है।

12वीं में गर्गी पालीवाल बनी स्कूल टॉपर

कक्षा 12वीं में विज्ञान, वाणिज्य और कला संकाय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। गर्गी पालीवाल ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। छवि चंदवानी ने 96.8 प्रतिशत और मानसवी जैन ने 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। शुभम सिंह ने 96.2%, लोनी सुहालका ने 95.4%, काशिश कुमावत ने 94.8%, प्रसूनराज सिंह चौहान और आन्या गुप्ता ने 94.6%, ऋषिका सुराना और प्रियंश जैन ने 93.8%, खुशी शर्मा और परी विजयवर्गीय ने 93.6% अंक प्राप्त किए। दिविषा जारोली और ध्याना परमार ने 93.2%, हीरल विजयवर्गीय एवं प्रियराज सिंह राणावत ने 93%, प्रांजल शर्मा, प्रियंश देवानी और ध्वनि चौहान ने 92.8%, अनमोल जैन और विहान पांडे ने 92% अंक हासिल किए। इसके अलावा हीरल जैन, प्रथम माली, यशस्वी माहेश्वरी और नाम्या जैन ने 91.8%, नीलिमा जैन ने 91.6%, इहा बोकाडिया, अर्पिता खत्री और कनिका जोशी ने 91.4%, नमन नागौरी ने 91.2%, मानसवी चौहान और रोनक डामोर ने 91%, प्राची नागदा, हरित मेहता और ध्रुविशा व्यास ने 90.8%, नविष्ठा जैन, एकांशी जैन और गीतांशी सिंह रावत ने 90.6%, वृष्टि जैन और महिपाल सिंह ने 90.4% तथा सिद्धि वर्मा ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

10वीं में अन्वी मेहता ने मारी बाजी कक्षा 10वीं में अन्वी मेहता ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। संस्कृती भनावत ने 95.8%, यौगिक भटनागर ने 95.2%, गौरांग शाह और प्रांशु पालीवाल ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। भाविनी भावसार और नव्या जैन ने 94.8%, नायोमी मेनारिया ने 94%, रुद्र प्रिया पालीवाल ने 93.4%, माही जैन और प्रभलीन कौर कालरा ने 93%, योगराज सिंह शक्तावत ने 92.8%, श्रेष्ठ सुमन ने 92.6%, रुपीन जैन और वांशी बडाला ने 92.4% अंक हासिल किए।

अक्षांश जोशी ने 92%, गगन शर्मा, काव्या टाक, अंजलि असवानी और यथार्थ मीणा ने 91.8%, गर्व पगारिया, लोहिताक्ष पनेरी, प्रवर गुप्ता और प्रनीत सिंह सोलंकी ने 91.6%, अनुष्का झा ने 91.2%, सुभी मिश्रा और तन्वी जैन ने 91%, ध्रुवी गोकलानी और सृष्टि माहेश्वरी ने 90.8%, श्रद्धा शर्मा और अनिकेत माथुर ने 90.6%, याशिका जैन, जैनम जैन और अविशा अधोलिया ने 90.4%, हर्षिल सुखवाल ने 90.2% तथा दिव्या पालीवाल, इशानी लोहार और अगस्त्य भट्ट ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

उदयपुर में गूंजेगी "पंचम वेद" की दिव्य ध्वनि, 17 मई से शुरू होगा श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान रहस्य

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर में 17 मई, रविवार से आध्यात्मिक चेतना और श्रीकृष्ण भक्ति का दिव्य संगम देखने को मिलेगा। ब्रज गोपिका धाम सोसाइटी की ओर से सेक्टर-13 स्थित आशीष वाटिका में "पंचम वेद श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान रहस्य" का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 17 मई से 25 मई तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात 9 बजे तक आयोजित होगा। कार्यक्रम में परम पूजनीया रासेश्वरी देवी अपने श्रीमुख से श्रीमद्भागवत महापुराण के गूढ़ आध्यात्मिक रहस्यों का रसपान कराएंगी। वे जगद्गुरु स्वामी कृपालु जी महाराज की प्रमुख प्रचारिका के रूप में देश-विदेश में सनातन वैदिक धर्म का प्रचार-प्रसार कर रही हैं। शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दीदी आराध्या, दीदी राधिका एवं आयोजन समिति के शशि रंजन जानी, प्रताप चुग, लोकेश द्विवेदी, आलोक चतुर्वेदी और देवेंद्र श्रीमाली ने कार्यक्रम की जानकारी दी। दीदी आराध्या ने बताया कि रासेश्वरी देवी अपने ओजस्वी प्रवचनों, गहन आध्यात्मिक ज्ञान और हृदयस्पर्शी वाणी के माध्यम से लाखों श्रद्धालुओं को भक्ति और आत्मिक उत्कर्ष की प्रेरणा देती रही हैं। अब उदयपुरवासियों को भी श्रीकृष्ण भक्ति और सनातन वैदिक ज्ञान के दिव्य रस से सराबोर होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवत महापुराण को "पंचम वेद" कहा जाता है क्योंकि इसमें चारों वेदों का सार और आध्यात्मिक निष्कर्ष समाहित है। संतों और भक्तों के लिए यह केवल ग्रंथ नहीं, बल्कि साक्षात श्रीकृष्ण का वाङ्मय स्वरूप माना जाता है। प्रवचन श्रृंखला में केवल कथा प्रसंगों का वर्णन नहीं होगा, बल्कि श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं के माध्यम से जीवन, आत्मा, भक्ति और शाश्वत आनंद से जुड़े गूढ़ आध्यात्मिक सिद्धांतों को सरल रूप में समझाया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजन स्थल पर बैठने की समुचित व्यवस्था, शुद्ध पेयजल, दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों के लिए निःशुल्क पार्किंग तथा स्वयंसेवकों द्वारा सहयोग और मार्गदर्शन की विशेष व्यवस्था की गई है।

गोवर्धन सागर पाल पर होगा योग का महासंगम, 17 मई को सामूहिक योग पूर्वाभ्यास

50 दिवसीय योग काउंटडाउन के तहत आयोजन, गर्मी से बचाव के लिए निःशुल्क "अमृत धारा" वितरण भी शुरू

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 को लेकर योग गतिविधियां अब जनआंदोलन का रूप लेती नजर आ रही हैं। 50 दिवसीय योग काउंटडाउन कार्यक्रम के तहत 17 मई रविवार को शहर के प्राकृतिक एवं पर्यटन स्थल गोवर्धन सागर पाल पर सामूहिक योग प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 6:15 बजे से 8 बजे तक होगा, जिसमें बड़ी संख्या में योग प्रेमियों के शामिल होने की उम्मीद है। जिला प्रशासन, आयुर्वेद विभाग और विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन में प्रतिभागियों को कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत योगासन, प्राणायाम और योग निद्रा का अभ्यास कराया जाएगा। प्रशिक्षकों द्वारा योग की सही विधियां और स्वास्थ्य लाभों की जानकारी भी दी जाएगी

सहायक निदेशक भानु कुमार जैन ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जिले के ऐतिहासिक, पर्यटन और सार्वजनिक स्थलों पर लगातार योग गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। योग समन्वयक एवं सहायक नोडल अधिकारी वैद्य शोभालाल औदीच्य ने बताया कि शांत और प्राकृतिक वातावरण वाले गोवर्धन सागर पाल पर होने वाला यह आयोजन लोगों को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेगा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, स्वास्थ्यकर्मियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों की भागीदारी रहेगी।

गर्मी और लू से बचाव के लिए शुरू होगा "अमृत धारा" वितरण

योग कार्यक्रम के साथ ही बढ़ती गर्मी और लू से बचाव के उद्देश्य से आयुर्वेदिक औषधि "अमृत धारा" के निःशुल्क वितरण अभियान की शुरुआत भी की जाएगी। वैद्य शोभालाल औदीच्य ने बताया कि वर्तमान मौसम में लू, उल्टी, दस्त और पेट संबंधी समस्याओं से बचाव के लिए आयुर्वेदिक उपाय बेहद लाभकारी साबित हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि आमजन की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही राजकीय आदर्श आयुर्वेद औषधालय सिंधी बाजार में भी औषधालय समय के दौरान अमृत धारा का निःशुल्क वितरण किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ ले सकें।

प्रो. मदन सिंह राठौड़ के कुलगुरु मनोनीत होने पर शिक्षाविदों और संगठनों ने जताई खुशी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वरिष्ठ शिक्षाविद् सुविवि के प्रो. मदन सिंह राठौड़ को महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर का कुलगुरु मनोनीत किए जाने पर प्रदेशभर में खुशी का माहौल है। विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक एवं शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इसे उच्च शिक्षा जगत के लिए सकारात्मक कदम बताया। इस अवसर पर भाजपा उदयपुर शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान, राजस्थानी मोट्यार परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शिवदान सिंह जोलावास तथा अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश सचिव डॉ. बालुदान बारहठ ने प्रो. राठौड़ को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। संयुक्त वक्तव्य में उन्होंने कहा कि प्रो. मदन सिंह राठौड़ का लंबा शैक्षिक एवं प्रशासनिक अनुभव विश्वविद्यालय को नई दिशा और ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रो. राठौड़ के नेतृत्व में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर और महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के बीच शैक्षिक संवाद, शोध सहयोग एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। वक्ताओं ने कहा कि इससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध और नवाचार के नए अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षण, अनुसंधान और कौशल विकास के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रो. राठौड़ के मार्गदर्शन में बृज विश्वविद्यालय राजस्थान के उच्च शिक्षा परिदृश्य को और अधिक मजबूत एवं समृद्ध बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

शक्तिनगर में आधी रात हंगामा। घंटों बिजली बंद, फोन नहीं उठाने पर लोगों ने RSEB ऑफिस घेरा। जमकर नारेबाजी। लिफ्ट में फंसे बुजुर्ग, जनता बोली- अफसरों को सस्पेंड करो

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के शक्तिनगर में कल रात को बिजली बंद होने पर हंगामा हो गया। सैकड़ों लोगों ने आरएसईबी के दफ्तर पर पहुंचकर विरोध जताया। विरोध करने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। लोगों ने हाय-हाय के नारे भी लगाए और कहा कि अफसरों की खुली मनमानी चल रही है। न तो फोन उठाते हैं, न ही बिजली बंद होने पर कोई संतोषप्रद जवाब देते हैं। महिलाओं ने कहा कि सुबह से शाम तक मेंटेनेंस के नाम पर बिजली कटौती की गई व उसके बाद घंटों तक बिना किसी कारण के बिजली काट दी गई। आक्रोश जताते हुए उन्होंने कहा कि अफसरों को सस्पेंड किया जाए व उन पर कार्रवाई की जाए। इस दौरान कुछ नेता भी पहुंचे, मगर उनकी बातों का भी कुछ खास असर नहीं हुआ। लोगों ने कहा कि अब समय आ गया है कि बिजली विभाग को निजी हाथों में दे देना चाहिए, ताकि भ्रष्ट सरकारी सिस्टम से उनको निजात मिल सके।

आपको बता दें कि कल रात 10 बजकर 10 मिनट पर शक्तिनगर व आसपास के इलाकों में बिजली काट दी गई। इस दौरान कुछ घरों में बुजुर्ग लिफ्ट में फंस गए। हैरान-परेशान लोगों ने अधिकारियों को फोन लगाया, मगर रिसीव नहीं किए गए। इस बीच लोग आरएसईबी के दफ्तर के बाहर जमा हो गए व नारेबाजी करने लगे। मौके पर कोई भी नहीं होने व अफसरों के फोन नहीं उठाने से लोगों का गुस्सा सातवें आसमान तक पहुंच गया व उन्होंने खूब जमकर खरी-खोटी सुनाई। इधर, शक्तिनगर में एक मकान की लिफ्ट में बुजुर्ग फंसे होने की सूचना जैसे-तैसे एईएन को दी गई तो उन्होंने भी हाथ खड़े कर दिए व कहा कि अभी फॉल्ट बड़ा है, बिजली आने में समय लगेगा। इसके बाद मैकेनिक को बुलाकर बुजुर्गों को लगभग एक घंटे बाद बाहर निकाला गया।

आपको बता दें कि कुछ महीनों पहले ही ऊर्जा मंत्री ने उदयपुर में ही एक अफसर को फोन नहीं उठाने पर सस्पेंड कर दिया था। दो दिन पहले उदयपुर में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि हमारे यहां बिजली सरप्लस है। मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि अफसर स्वच्छंद हो गए हैं व खुलकर मनमानी कर रहे हैं। जनता को जवाब देने वाला मौके पर कोई नहीं है। कहां फॉल्ट हुआ है, कितना समय लगेगा, यह तक बताने वाला कोई नहीं है। शक्तिनगर में हालात ऐसे हो गए हैं कि आए दिन अवैध बिजली कटौती का खेल चल रहा है। जब मन चाहा, बिजली काट देते हैं और उसके बाद भी कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। ऐसे में हालात कभी भी जन आक्रोश के चलते विस्फोटक रूप ले सकते हैं।

जबरदस्त विरोध प्रदर्शन के बाद रात को एक बजे जब बिजली बहाल हुई, तब तक सैकड़ों लोग बिजली विभाग के दफ्तर के बाहर जमे रहे व विरोध जताते रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने चेतावनी दी कि अगर अवैध रूप से बिजली काटने का खेल आगे भी चला तो बड़ा प्रदर्शन व घेराव किया जाएगा।

सागवाड़ा में श्रद्धा और उल्लास से मनाया गया भगवान शांतिनाथ का त्रिकल्याणक महोत्सव

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। सागवाड़ा नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन सोनियों का मंदिर में शुक्रवार को जैन धर्म के वर्तमान चौबीसी के 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उमंग के साथ मनाया गया। आयोजन सकल दिगम्बर जैन समाज के संयोजन एवं प्रतिष्ठाचार्य पंडित विनोद पगारिया "विरल" के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। मंदिर कमेटी अध्यक्ष प्रदीप दोसी ने बताया कि प्रातःकाल मूलनायक भगवान शांतिनाथ एवं पाण्डूक शिला पर विराजित प्रतिमाओं का श्रद्धालुओं द्वारा विधिवत महाभिषेक किया गया। इसके बाद विश्व शांति की कामना के साथ प्रतिष्ठाचार्य पंडित विनोद पगारिया के मंत्रोच्चार के बीच मूलनायक भगवान की प्रतिमा पर हेरिल, सुनील एवं धनराज गोवाडिया परिवार द्वारा तथा पाण्डूक शिला पर विराजित प्रतिमा पर हेमल एवं अंकित लखावत, निवासी दाहोद द्वारा शांतिधारा की गई। कार्यक्रम के दौरान सागरमल शाह एवं नटवरलाल गलालिया द्वारा श्रीफल फोड़कर धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत की गई। इसके पश्चात सकलीकरण मंडप प्रतिष्ठा, इन्द्र प्रतिष्ठा एवं विधान मंडल पर पंच मंगल कलश स्थापना के आयोजन हुए। ट्रस्टी अश्विन बोबड़ा ने बताया कि भगवान शांतिनाथ के मोक्ष कल्याणक अवसर पर निर्वाण के प्रतीक स्वरूप निर्वाण लाडू निशा-लोकेश भरड़ा परिवार द्वारा अर्पित किया गया। साथ ही इन्द्र-इन्द्राणी समूह द्वारा शांतिनाथ विधान मंडप पर अष्ट द्रव्य एवं श्रीफल सहित 125 अर्घ समर्पित किए गए। समापन पर अव्यान, कुणाल एवं प्रदीप दोसी परिवार द्वारा भगवान की आरती उतारी गई। वहीं रात्रि में भगवान का झूला झुलाया गया तथा भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ एवं पुण्यार्जन किया।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।